वर्ष : 16 अंक : 339 लखनऊ सोमवार, 16 दिसंबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस्करण

मौसम

सूर्योदय
सूर्यास्त
अधिकतम
न्यूनतम

सीएसए कुलपति की अध्यक्षता में हुआ इंडोनेशिया का गो ग्रीन शिखर सम्मेलन

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन इंडोनेशिया में आयोजित हुआ।

इस शिखर सम्मेलन का आयोजन आईएफईआरपी लाइफ़ साइंस और कृषि विश्वविद्यालय कानपुर, एसईजीआई यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज, मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज,फ़िलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साइंसेज़,भारत द्वारा किया गया था। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। विगत कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं, जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा। सीएसए कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया। इस ग्यारहवें गो ग्रीन सम्मेलन में दस से अधिक देशों के लगभग दो सौ से ज़्यादा वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया था। सम्मेलन में डा. वोंग लिग शिंग, मलेशिया, डा. रिनीरियो ई एकिगोनेरो, फ़िलीपिंस सहित अन्य विदेशी वैज्ञानिक मुख्य वक्ता के रूप में रहे। इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज की गेस्ट फैकल्टी डॉ. श्वेता दुबे ने मिस फ़ुदण्डन, मिस्टर चेन मिंगुरी के साथ इस सम्मेलन में मॉडरेटर की भूमिका निभाई। डा.श्वेता के उत्कृष्ट मॉडरेशन के लिए आयोजकों ने उनको बधाई दी।

इंडोनेशिया में सम्पन्न हुआ 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन

अनवर अशरफ

कानपुर । चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 डा0 आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच के मुद्दे के साथ विगत 13-14 दिसम्बर 2024 को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन ड्डस्नश्वत्रक्क लाइफ़ साइंस और हमारे अकादमिक साझेदार कृषि विश्वविद्यालय कानपुर,स्थ्लद्व यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज,मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज,फ़िलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साइंसेज़,भारत द्वारा किया गया था। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के

लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा । कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति महोदय की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है। डॉ शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफ्रीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है। विश्वविद्यालय एवं इटावा परिसर से अलग अलग विभाग के अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया, जिसमें प्रमुख रूप से ही डॉ सीमा सोनकर जो की आयोजन समिति की सदस्य भी हैं प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ अरुण कुमार,डॉ आशुतोष लोहवंशी, डॉ काशफ खान, डॉ खुशबू गुप्ता, हर्षिता शामिल हैं। इसी क्रम में डॉ शर्मा ने अपने विशेष शोध प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 57 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कोयला एवं प्राकृतिक गैसों के उपयोग से बताते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए उपलब्ध तकनीकों को और भी विकसित करने पर ज़ोर देने की बात रखी। उनका प्रस्तुतीकरण प्रमुख रूप से सौर ऊर्जा से सम्बंधित तकनीकी विकसित करने एवं जलवायु परिवर्तन में वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग करने पर ही केंद्रित रहा। इस ग्यारहवें गो ग्रीन सम्मेलन में दस देशों से अधिक देशों के लगभग दो सौ से ज़्यादा वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया था। सम्मेलन में डा0 वोंग लिग शिंग, मलेशिया, डा0 रिनीरियो ई एकिगोनेरो, फ़िलीफ़ाइन्स एवं अन्य विदेशी वैज्ञानिक मुख्य वक्ता के रूप में रहे। इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज की गेस्ट फैकल्टी डॉ श्वेता दुबे ने मिस फुदण्डन, मिस्टर चेन मिंगुरी के साथ इस सम्मेलन में मॉडरेटर की भूमिका का निर्वहन किया डा0 श्वेता के उत्कृष्ट मॉडरेशन के लिए आयोजकों ने उनको बधाई भी प्रेषित की है।

बहुभाषी दैनिक समाचार पत्र

कानपुर से प्रकाशित

E-mail :- deekshalayapravah@gmail.com

दीक्षालय प्रवाह

वर्ष : 02 अंक : 184 कानपुर, 16 दिसम्बर, 2024 पेज-8 मूल्य : 3 रुपये

> पढ़ें पेज 2 पर

रान्ग साइड ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है। ■ सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता —— प्रभारी बादशाहीनाका व थाना प्रभारी फीलखाना मौजूद रहे।

इंडोनेशिया में सम्पन्न हुआ 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो० डा० आनंद कुमार सिंह ने की सम्मेलन की अध्यक्षता कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो० डा० आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच के मुद्दे के साथ विगत 13–14 दिसम्बर 2024 को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन IFERP लाइफ साइंस और हमारे अकादमिक साझेदार कृषि विश्वविद्यालय कानपुर, `म्ळप यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज, मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज, फिलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर साइंसेज, भारत द्वारा किया गया था। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति महोदय की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है। डॉ. शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफरीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 16/12/2024

ग्रो ग्रीन शिखर सम्मेलन में सीएसए वीसी

सीएसए युनिवर्सिटी के वीसी प्रो. डा. आनंद कुमार सिंह ने इंडोनेशिया में हो रहे 11 वें ग्रो ग्रीन शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की. अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए हो रहे सम्मेलन में इंस्टीट्यूट फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड पब्लिकेशन के साथ सीएसए भी साझीदार है. इसका आयोजन एसईपीजीआई यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज़ मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कालेज फिलीपींस और यूनिव्रर्सिटी ऑफ हार्टीकल्चर साइंस भारत की ओर से किया गया. यहां पर डॉ. एनके शर्मा, डॉ. सीमा सोनकर, प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ. श्वेता दुबे, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. आशुतोष लोहवंशी, डॉ. काशफ ख़ान, डॉ. खुशबू गुप्ता, हर्षित आदि रहीं.

DT दीनार टाइम्स

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 57% कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कोयला व प्राकृतिक गैसों से होता है

इंडोनेशिया में सम्पन्न हुआ 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन, सम्मेलन की अध्यक्षता सी एस ए के वाइस चांसलर ने की

डीटीएनएन। कानपुर

चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 डा0 आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन फ्रअभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंचफ्र के मुद्दे के साथ बीती 13-14 दिसम्बर को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ।

इस शिखर सम्मेलन का आयोजन इफ्रश्रत्रालाइफ़ साइंस और हमारे अकादमिक साझेदार कृषि विश्वविद्यालय कानपुर,स्थ्रत्द्व यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज,मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज,फ़िलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साइंसेज़,भारत द्वारा किया गया था।

इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था।

पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा ।

कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है। डॉ शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफ़्रीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है। विश्वविद्यालय एवं इटावा परिसर से अलग अलग विभाग के अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया, जिसमें प्रमुख रूप से ही डॉ सीमा सोनकर जो की आयोजन समिति की सदस्य भी हैं प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ अरुण कुमार,डॉ आशुतोष लोहवंशी, डॉ काशफ ख़ान, डॉ खुशबू गुप्ता, हर्षिता शामिल हैं।

इसी क्रम में डॉ शर्मा ने अपने विशेष शोध प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 57 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कोयला एवं प्राकृतिक गैसों के उपयोग से बताते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए उपलब्ध तकनीकों को और भी विकसित करने पर ज़ोर देने की बात रखी। उनका प्रस्तुतीकरण प्रमुख रूप से सौर ऊर्जा से सम्बंधित तकनीकी विकसित करने एवं जलवायु परिवर्तन में वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग करने पर ही केंद्रित रहा।

18.0° अधिकतम
09.0° न्यूनतम

www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर एक्सप्रेस

...री से बढ़ी ठंड

...अनुसार, आने वाले दिनों में ... में ठंड और अधिक बढ़ ...ती है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे गर्म कपड़े पहनें और ठंड से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

...ाभ

रोजगार मेलों में 25 हजार पंजीकरण का लक्ष्य

कानपुरः सेवायोजन विभाग ने अगले तीन माह में 25 हजार बेरोजगारों का अपने पोर्टल पर पंजीकरण करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए विभाग ने खासतौर पर युवतियों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए है। सेवायोजन विभाग पिछले दो माह से शहर के विभिन्न महाविद्यालयों में रोजगार मेले लगवा रहा है। इन मेलों में युवाओं को पंजीकरण सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपने प्रोफाइल को ऑनलाइन पंजीकृत कर सकें। इससे उन्हें निजी कंपनियों द्वारा रोजगार देने में आसानी होगी। सेवायोजन अधिकारियों ने बताया कि रोजगार मेलों में पंजीकरण सुविधा मिलने से युवाओं को काफी आसानी होगी। उन्हें अब विभाग तक दौड़ने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, पंजीकरण सुविधा महाविद्यालय में सिर्फ रोजगार मेला के दिन ही मिलेगी। सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा महाविद्यालयों में रोजगार मेले के दौरान पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा दिए जाने से युवाओं को दौड़भाग नहीं करनी होगी। रोजगार मेलों में विभागीय अधिकारियों की टीम युवाओं की सहायता के लिए उपलब्ध रहेगी। सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण के जरिए युवाओं को अवसर निजी कंपनियों द्वारा रोजगार दिया जाता है। कई बार निजी कंपनियां या सर्विस प्रोवाइडर पोर्टल से ही युवाओं के प्रोफाइल उठाकर उन्हें साक्षात्कार के लिए सीधे आमंत्रित कर लेती हैं।

सीएसए के कुलपति ने की इंडोनेशिया में आयोजित 11वें गो ग्रीन शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता

कानपुरः इंडोनेशिया में आयोजित 11वें गो ग्रीन शिखर सम्मेलन में चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो. डॉ. आनंद कुमार सिंह ने अध्यक्षता की। यह सम्मेलन अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच के मुद्दे पर आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का आयोजन IFERP लाइफ़ साइंस और कृषि विश्वविद्यालय कानपुर, सेगी यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज, मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज, फिलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साइंसेज़, भारत द्वारा किया गया था।

इस सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसायियों को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है।

कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ-साथ सम्मेलन में नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ. एन. के. शर्मा ने बताया कि कुलपति महोदय की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है। विश्वविद्यालय एवं इटावा परिसर से अलग-अलग विभाग के अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया, जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. सीमा सोनकर, प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. आशुतोष लोहवंशी, डॉ. काशफ खान, डॉ. खुशबू गुप्ता, हर्षिता शामिल हैं। इसी क्रम में डॉ. शर्मा ने अपने विशेष शोध प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 57 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कोयला एवं प्राकृतिक गैसों के उपयोग से बताते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए उपलब्ध तकनीकों को और भी विकसित करने पर ज़ोर देने की बात रखी।

दैनिक जागरण 16/12/2024

सम्मेलन में शामिल हुए सीएसए कुलपति

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डा. आनंद कुमार सिंह ने इंडोनेशिया में हो रहे 11 वें ग्रो ग्रीन शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की है। अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए हो रहे सम्मेलन में इंस्टीट्यूट फार एजूकेशन रिसर्च एंड पब्लिकेशन के साथ सीएसए भी साझीदार है। इसका आयोजन एसईपीजीआइ यूनिवर्सिटी एवं कालेज, मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कालेज, फिलिपींस एवं यूनिवर्सिटी आफ हार्टीकल्चर साइंसेज़, भारत की ओर से किया गया। सीएसए के कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डा. एन के शर्मा, डा. सीमा सोनकर, प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डा. श्वेता दुबे, डा. अरुण कुमार, डा. आशुतोष लोहवंशी, डा. काशफ खान, डा. खुशबू गुप्ता और हर्षिता भी शामिल हुई हैं।